**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**राज्य सभा**
**लिखित प्रश्न संख्या: 665**
**सोमवार, 29 जुलाई, 2024 ((श्रावण 7, 1946 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर**

## पाक्योंग विमानपत्तन से उड़ानों का बार-बार रद्द होना

**665. श्री दोरजी त्शेरिंग लेप्चाः**

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सिक्किम के पाक्योंग विमानपत्तन से आने-जाने वाली उड़ानें विशेष रूप से मानसून के मौसम में अक्सर रद्द कर दी जाती हैं;
(ख) क्या बरसात के मौसम में पाक्योंग विमानपत्तन से आने-जाने वाली उड़ानों को प्रस्थान स्टेशनों से पूरी तरह रद्द करने के बजाय, उड़ानों का बागडोगरा हवाई अड्डे के लिए पुनः मार्ग निर्धारित किया जा सकता है ताकि पर्यटकों और स्थानीय लोगों को समय और धन की अधिक हानि के बिना उड़ान सेवाओं का लाभ उठाने का अवसर मिल सके;
(ग) यदि हां, तो सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है; और
(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क): पाक्योंग हवाईअड्डे को विजुअल फ्लाइट रूल्स (वीएफआर) हवाईअड्डे के रूप में लाइसेंस प्राप्त है, जो 5 किमी या उससे अधिक की जमीनी दृश्यता पर उड़ान परिचालन को जारी रख सकता है। तथापि, मानसून के शुरू होने पर दृश्यता 500 मीटर या उससे नीचे हो जाती है और अगस्त के मध्य तक बनी रहती है, जिसके दौरान दृश्य मौसम संबंधी स्थितियों (वीएमसी) के अंतर्गत उड़ान परिचालन प्रभावित होता है।

(ख) से (घ): मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरस्त होने के साथ ही भारतीय घरेलू विमानन नियंत्रण मुक्त हो गया है। सरकार द्वारा जारी मार्ग संवितरण दिशा-निर्देशों के अनुपालन और डीजीसीए द्वारा अनुमोदित अनुसूची के अनुसार, एयरलाइनें किसी भी वहन क्षमता और प्रकार के विमान को सम्मिलित कर सकती है तथा सेवा प्रदान करने के लिए किसी भी बाजार और नेटवर्क का चयन करके परिचालन कर सकती है। इसलिए, यह एयरलाइन प्रचालक पर निर्भर है कि वह अपनी प्रचालन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर देश के किसी भी शहर से / के लिए हवाई सेवाओं के प्रचालन पर विचार करे।

******